vinetur

रोन AOC वाइन की बिक्री 5 लाख हेक्टोलिटर घटने के बाद Inter Rhône ने 2035 तक की आपूर्ति योजना पेश की

व्यापार संगठन के मुताबिक, पूरे रोन क्षेत्र की योजना में 2035 तक लंबे अनुबंध और उत्पादन पर कड़ा नियंत्रण शामिल होगा

बुधवार, 11 नवंबर 2026



Inter Rhône ने मंगलवार, 10 नवंबर को कहा कि क्षेत्र की अपीलेशन वाइन की बिक्री कई वर्षों से घटने के बाद वह रोन घाटी की वाइन रणनीति को नए सिरे से तैयार करना चाहता है। इसके तहत आपूर्ति प्रबंधन को अधिक सख्त बनाने, दीर्घकालीन अनुबंधों को मजबूत करने और 2035 तक लागू रहने वाली साझा योजना पर काम किया जाएगा।

एक संवाददाता सम्मेलन में संगठन ने कहा कि Samuel Montgermont ने ऐसी रूपरेखा पेश की, जिसका उद्देश्य उसके शब्दों में अधिक सक्षम और प्रतिस्पर्धी वाइन क्षेत्र तैयार करना है। यह योजना ऐसे समय आई है जब रोन की AOC वाइन—अपीलेशन-नियंत्रित उत्पादों के लिए फ्रांस का गुणवत्ता पदनाम—कम मात्रा में बिक रही हैं। Inter Rhône के

अनुसार, क्षेत्र की AOC वाइन की बाजार में बेची गई मात्रा 2021 से 2025 के बीच 500,000 हेक्टोलिटर से अधिक घट गई।

यह गिरावट 5 करोड़ लीटर से अधिक वाइन, यानी लगभग 6.7 करोड़ सामान्य बोतलों के बराबर है। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि संगठन अल्पकालिक उपायों के बजाय ढांचागत बदलावों पर जोर क्यों दे रहा है। Inter Rhône ने कहा कि मुख्य विचार उत्पादन को बाजार की मांग के अधिक अनुरूप बनाना है। इस बदलाव का असर रोन घाटी में पौधरोपण, उपज और अंगूर के बागों की क्षमता के इस्तेमाल से जुड़े फैसलों पर पड़ेगा।

संगठन ने यह भी कहा कि वह आपूर्ति शृंखला में लंबी अवधि के अनुबंधों को बढ़ावा देना चाहता है। प्रेस सामग्री में अधिक ठोस अनुबंध व्यवस्थाओं की जरूरत का उल्लेख किया गया, जबकि व्यापक उद्देश्य उत्पादकों और खरीदारों को ऐसे बाजार में अधिक स्पष्टता देना प्रतीत होता है, जिसका अनुमान लगाना अब कठिन हो गया है। व्यावहारिक रूप से, मजबूत अनुबंध लंबी अवधि के लिए मात्रा, मूल्य निर्धारण के तरीके और खरीद प्रतिबद्धताएं तय करने में मदद कर सकते हैं, जिससे हर साल होने वाली बातचीत की कुछ अनिश्चितता कम होगी।

Inter Rhône ने इस पहल को किसी एक उत्पादक समूह के कदम के बजाय पूरे क्षेत्र की रणनीति के रूप में पेश किया। रूपरेखा में 2035 तक के लिए साझा दिशा पर सहमति बनाने की बात है। इससे संकेत मिलता है कि व्यापार संगठन चाहता है कि उत्पादक, सहकारी संस्थाएं, व्यापारी और बाजार के अन्य पक्ष अगले दशक में साझा प्राथमिकताओं के आधार पर काम करें। यह लंबी समय-सीमा वाइन उत्पादन की प्रकृति को दर्शाती है, जहां पौधरोपण और अंगूर के बागों के पुनर्गठन के नतीजे दिखने में कई साल लग सकते हैं।

रोन घाटी फ्रांस के प्रमुख वाइन क्षेत्रों में से एक है और इसकी अपीलेशन रणनीति में बदलाव पर व्यापक पेय उद्योग की भी करीबी नजर रहती है। आपूर्ति घटाने या उसकी दिशा बदलने के किसी भी निरंतर प्रयास से क्षेत्र की उत्पादन क्षमता और अंगूर की खेती का अर्थशास्त्र, जिसमें प्रति हेक्टेयर आय भी शामिल है, बदल सकता है। मजबूत अनुबंधों से अंगूर उत्पादकों, वाइनरी, व्यापारियों और बड़े वितरण चैनलों के बीच जोखिम और मोलभाव की ताकत का बंटवारा भी धीरे-धीरे बदल सकता है।

Inter Rhône ने 10 नवंबर की रूपरेखा को केवल उत्पादन में कटौती का कार्यक्रम नहीं बताया। इसके बजाय, उसने आपूर्ति पर अनुशासन को बाजार में वाइन क्षेत्र को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लक्ष्य से जोड़ा। इस भाषा से संकेत मिलता है कि संगठन एक साथ दो दबावों के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है : कमजोर बिक्री के माहौल में मूल्य की रक्षा करना और घरेलू तथा निर्यात बाजारों में रोन वाइन की मौजूदगी और पहचान बनाए रखना।

अपीलेशन वाइन के लिए मात्रा पर दबाव खास तौर पर अहम है, क्योंकि AOC प्रणालियां निर्धारित उत्पादन क्षेत्रों, नियमों और गुणवत्ता की स्थिति पर आधारित होती हैं। जब कई वर्षों तक बाजार में बेची गई मात्रा घटती है, तो इसका असर उत्पादकों की बिक्री से आगे बोतलबंद करने वाली कंपनियों, व्यापारियों, लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं और खुदरा साझेदारों तक पहुंच सकता है। इससे क्षेत्र के भीतर इस बहस को भी बल मिल सकता है कि उत्पादन बनाए रखना, घटाना या खरीदारों को पेश की जाने वाली वाइन का मिश्रण बदलना—इनमें से कौन-सा रास्ता सबसे बेहतर है।

आपूर्ति में बदलाव और अनुबंधों को अपने संदेश के केंद्र में रखकर Inter Rhône संकेत दे रहा है कि वह बाजार के संगठन को प्रतिक्रिया का अहम हिस्सा मानता है। दीर्घकालीन अनुबंध अंगूर और बल्क वाइन के लिए अधिक स्थिर खरीदार तलाश रहे उत्पादकों को आकर्षित कर सकते हैं, जबकि खरीदारों को भरोसेमंद मात्रा और अधिक स्पष्ट कारोबारी शर्तें सुनिश्चित करने में फायदा दिख सकता है। हालांकि, ऐसी व्यवस्थाएं संवेदनशील भी हो सकती हैं, क्योंकि इनका सीधा संबंध कीमत, लचीलेपन और बिखरी हुई आपूर्ति शृंखला में मोलभाव की ताकत से है।

2035 की समय-सीमा व्यापार संगठन को बदलाव धीरे-धीरे लागू करने की गुंजाइश देती है, जो कई अपीलेशन और अलग-अलग कारोबारी मॉडलों वाले क्षेत्र में जरूरी हो सकता है। आपूर्ति को मांग के अनुरूप करने के उपायों में कठिन

फैसले लेने पड़ सकते हैं, खासकर जब उनका असर पौधरोपण के अधिकारों, फसल की मात्रा या अंगूर के बागों के नवीनीकरण की रफ्तार पर पड़े। फिर भी, 10 नवंबर को Inter Rhône का संदेश था कि 2021 से 2025 के बीच दर्ज गिरावट के बाद अधिक मजबूत बनने के लिए रोन के वाइन क्षेत्र को साझा ढांचे की जरूरत है।